# बृजभूषण शरण सिंह को टिकट मिलेगा या कटेगा?

## संभावना है कि, भाजपा कैसरगंज से मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को टिकट नहीं देना चाहती है, जबकि क्षेत्र में उनका भारी दबदबा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हाल ही में टाइम मैगज़ीन, जिसमें महिला पहलवान साक्षी मलिक को वर्ष 2024 के 100 सर्वाधिक प्रभावशाली लोगों में शामिल किया गया है, में साक्षी मलिक के प्रकरण में बृजभूषण शरण सिंह का जिक्र किया गया है।
- ज्ञातव्य है कि, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाया था।
- बृजभूषण पर पॉक्सो के तहत भी केस दर्ज है, उन पर अवयस्क महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। क्या भाजपा नेतृत्व, कैसरगंज से वर्तमान सांसद, बृज भूषण शरण सिंह को पुनः टिकट देगी, इस मुद्दे पर भारी "सस्पैंस" है, क्योंकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के लिए लगातार नकारात्मक प्रचार बढ़ रहा है। टाईम पत्रिका के नवीनतम अंक में प्रकाशित एक लेख ने, सिंह के उम्मीदवार बनने की संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाला है, जिसमें ओलिंपिक ब्रॉन्ज मैडलिस्ट पहलवान, साक्षी मलिक को वर्ष 2024 की सौ सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में रखा है।

साक्षी मलिक, भारत की पहली महिला पहलवान हैं जिन्हें वर्ष 2016 में ओलिंपिक मैडल मिला था। वह, वर्ल्ड चैंपियनशिप की दो बार की ब्रॉन्ज मैडलिस्ट, विनेश फोगाट और टोक्यो औलिंपिक के ब्रॉन्ज मैडलिस्ट, बजरंग पूनिया के साथ, सिंह द्वारा महिला पहलवानों के तथाकथित यौन उत्पीड़न के विरुद्ध लड़ाई में सबसे आगे थीं।

अभी जबकि, भाजपा नेतृत्व ने सिंह के पुनर्नामांकन पर चुप्पी साध रखी है वहीं, कैसरगंज के सांसद, प्रत्यक्ष रुप से कानूनी और प्रशासनिक समस्याएं झेल रहे हैं। गुरुवार को राउज़ एवेन्यू कोर्ट के समक्ष उपस्थित होते हुए सिंह ने अपने विरुद्ध लगे हुए आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय की मांग करते हुए एक प्रार्थना पत्र दाखिल किया। उन्होंने दावा किया कि, एक शिकायतकर्ता ने उन पर रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के कार्यालय में जिस दिन कथित रुप से यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, उस दिन वह भारत में नहीं थे। कोर्ट ने मामले को स्थगित कर दिया और 26 अप्रेल को कोर्ट अपना निर्णय घोषित करेगी कि सिंह के विरूद्ध आरोप तय किए जाने चाहिए या नहीं। इस महीने की शुरुआत में सिंह के विरूद्ध आदर्श आचार संहिता और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के लिए भी एक केस दर्ज हुआ था, जब सांसद ने बिना आज्ञा खड़गपुर पुलिस स्टेशन इलाके के तहत आने वाले कटरा चुनाव क्षेत्र में 25-30 वाहनों के काफिले के साथ कई गाँवों का दौरा किया था। जिला मजिस्ट्रेट नेहा शर्मा को यह कहते हुए उल्लेखित किया गया कि लोकसभा चुनावों के कारण जिले में धारा-144 लगी हुयी थी इसलिए प्रशासन आदर्श आचार संहिता का पालन करने के लिए बाध्य था।

बृजभूषण का यद्यपि क्षेत्र में काफी प्रभाव है, लेकिन पार्टी नेतृत्व विवादों के कारण इस बार उन्हें उम्मीदवार बनाने के पक्ष में नहीं बताया जाता है। हालांकि, भाजपा के लिए यह जोखिम भरा होगा क्योंकि सिंह क्षेत्र में कई स्कूलों और कॉलेजों के तंत्र का संचालन करते हैं और बहुत प्रभावशाली हैं। सिंह समाजवादी पार्टी से भी सांसद रहे हैं। अगर उसको भाजपा का टिकट नहीं मिलता है तो उनके निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है।

# 'झुंझुनूं की जनता ने 5 बार मौका दिया, पर कांग्रेस यमुना का पानी क्यों नहीं ला पाई'

## कांग्रेस अपने प्रचार में जनता के इस सवाल का जवाब नहीं दे पाई

- क्षेत्रीय राजनैतिक जानकारों का कहना है कि, कांग्रेस झुंझुनूं के लिए कोई विज़न नहीं दे पाई, उसका एक ही विज़न रहा, भाजपा को हराना है।
- कांग्रेस यमुना के पानी को लेकर किए जा रहे भाजपा के दावों का विरोध भी नहीं कर पाई।
- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का क्षेत्र के सैनी मतदाताओं पर भारी प्रभाव देखा गया और राजपूत मतों को साधने का काम राजेन्द्र राठौड़ ने किया। इन्हीं दोनों जातियों की नाराज़गी के नाम पर भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को घेरा जा रहा था।

झुंझुनूं, 18 अप्रेल (निस)। लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार खत्म हो गया है और शुक्रवार को मतदान है। पूरे चुनाव प्रचार की बात करें तो भाजपा ने यह चुनाव यमुना जल के नाम पर लड़ा और काफी हद तक कामयाब भी हुई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यमुना का पानी दिलाने का जो वादा उदयपुरवाटी में किया और सैनी बाहुल्य इलाके में बार-बार आपका भाई और बेटा बोलकर जो भाषण दिया, उसका खासा असर वोटरों पर पड़ा है।

दूसरी तरफ कांग्रेस ना तो यमुना के पानी को लेकर भाजपा के दावों का विरोध कर पाई और ना ही अपने मुद्दे बता पाई कि वह किन मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र ओला ने अपने दौरों में संविधान बचाने, अग्निवीर, किसान आंदोलन जैसी बातें तो कीं, लेकिन, यह कांग्रेस के वो ही घिसे पिटे आरोप थे, जो उन्होंने विधानसभा चुनावों में भी लगाए, लेकिन प्रदेश में सरकार नहीं बना पाई। अब राज्य में भाजपा की सरकार है। झुंझुनूं जिले में ना केवल सरकारी नौकरियों से हजारों परिवार जुड़े हुए हैं, बल्कि सत्ता में भागीदारी के लिए भी झुंझुनूं के लोग आगे रहते हैं। इस लिहाज से भी भाजपा मजबूत स्थिति में नजर आ रही है।

भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को राजपूत और माली मतदाताओं की नाराज़गी के नाम पर घेरने की कोशिश की गई, लेकिन, देश राष्ट्रहित के लिए मोदी की तरफ देख रहा है। इसलिए ऐसी नाराजगी भी धरी की धरी रह गई। रही सही कसर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ के दौरों ने पूरी कर दी।

कुल मिलाकर पूरा चुनाव प्रचार भाजपा के पक्ष में रहा। अब यह प्रचार वोटरों में कितना बदलता है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। दूसरी तरफ कांग्रेस यह मान रही है कि भाजपा में बिखराव है। झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता यह भी चाहते हैं कि, बृजेंद्र ओला चुनाव जीत जाएंगे तो उप चुनाव के जरिए एक बार फिर विधानसभा में जाने का मौका पांच साल से पहले ही मिल सकता है। भाजपा यह मान रही है कि, कांग्रेस में अंर्तकलह ज्यादा है। जो साथ दिखते हैं। वो हैं नहीं, साथ ही कांग्रेस अपने प्रचार में यह भी नहीं बता पाई कि, जब उन्हें पांच बार झुंझुनूं की जनता ने मौका दिया तो वे यमुना का पानी क्यों नहीं ला पाए और ना ही यह बता पाई कि, झुंझुनूं के विकास के लिए उनका विजन क्या है। सिर्फ मोदी को हराना है, सिर्फ भाजपा को हराना है, इस विजन के साथ चुनाव लड़ा गया।

# स्वदेशी निर्भय क्रूज मिसाईल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) ने ओडिशा तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, दीपुर से गुरूवार को स्वदेशी निर्भय क्रूज़ मिसाइल (आई.टी.सी.एम.) का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार परीक्षण के दौरान मिसाइल की सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। परीक्षण रेंज पर विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टैलीमीट्री जैसे कई सेंसर द्वारा मिसाइल परीक्षण की निगरानी की गई थी। वायु सेना के सुखोई विमान से भी मिसाइल की उड़ान पर नजर रखी गई।

इस सफल उड़ान परीक्षण के माध्यम से गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जी.टी.आर.ई.), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली को भी कसौटी पर परखा गया। यह मिसाइल बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन, उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है। मिसाइल को अन्य प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ बेंगलुरु स्थित डी.आर.डी.ओ. प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आई.टी.सी.एम. के सफल उड़ान-परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी है और कहा है कि, स्वदेशी प्रणोदन द्वारा संचालित लंबी दूरी की स्वदेशी सब सैनिक क्रूज़ मिसाइल का सफल विकास भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए एक मील का पत्थर है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डी.आर.डी.ओ. के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने आई.टी.सी.एम. की सफल उडान परीक्षण पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

## चुनावी सभाओं में रंग नहीं जमा...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

भीड़ खींच रहे हैं और उनके भाषणों का लहजा पहले से भी अधिक तीखा हो गया है, अधिकारी की रैलियों के निकटवर्ती क्षेत्रों में आयोजित ममता की रैलियों में बहुत कम भीड़ जुटी। लगता है जनता का मूड परिवर्तित हुआ है। सुवेन्दु की रैलियों में 40 हजार तो ममता की रैलियों में करीब 8 हजार लोग ही पहुँच रहे हैं। उत्तरी बंगाल में, रोड साइड पर खड़े लोगों ने उनकी तरफ देखकर चोर-चोर पुकारा। ममता ने बाद में गुस्से में कहा कि उनके पास एक अतिआवश्यक कार्य था, इसलिए वे वहाँ नहीं रूकी। "अन्यथा, मैं वहाँ रूक गई होती और उनकी ज़ुबान खींच लेती।" इसका उद्देश्य हिंसा की गंभीर धमकियाँ देना था, परन्तु ममता बनर्जी की उक्त टिप्पणी का लोगों ने मज़ाक बनाया और भर्त्सना की। माना जाता है कि भाजपा के एक प्रतिष्ठित नेता ने ममता के बयान पर गौर किया है, उन्होंने कहा कि ममता मानव शरीर के कई अंग निकालना चाहती हैं परन्तु वे ऐसा मुश्किल से ही कर पाएंगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि सुवेन्दु अधिकारी लगातार ममता बनर्जी पर जो जुबानी हमला बोल रहे है और ममता बनर्जी को व्यक्तिगत रूप से खुलेआम चोर कह रहे है, वह उसमें डूब गई है। किसी ने ऐसी ही घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब राजीव गाँधी पर विपक्ष ने संसद के अन्दर व बाहर बोफोर्स तोप सौदे के मामले में घूस लेने के आरोप लगाए थे, उस घटना का क्या नतीजा निकला था। उस केस में राजीव गांधी के द्वारा चोरी करने का कोई पक्का सबूत स्थापित नहीं हुआ था जबकि इसके ठीक विपरीत तृणमूल के मंत्रियों ने सार्वजनिक धन की हेराफेरी की है तथा अन्य भ्रष्टाचार किया है इसकी पुष्टि हो चुकी है।

# ई.वी.एम.-वी.वी.पी.ए.टी. पर फैसला सुरक्षित रखा सुप्रीम कोर्ट ने

- एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने अपनी याचिका में कहा था कि, या तो शत प्रतिशत वी.वी.पी.ए.टी. पर्चियों की गणना की जाए या फिर बैलट पेपर से मतदान की व्यवस्था पुनः अपनाई जाए।
- जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बैंच ने ई.वी.एम. विवाद में 100 प्रतिशत वी.वी.पी.ए.टी. पर्चियां गिनने के संबंध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई गुरूवार को पूरी कर ली।

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) से पड़े मतों के साथ वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की पर्चियों की 100 फीसदी गिनती या फिर मतपत्रों से चुनाव कराने की पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से ई.वी.एम. और वीवीपैट की वर्तमान व्यवस्था में उम्मीदवारों के प्रतिनिधि के शामिल होने, छेड़छाड़ रोकने सहित तमाम चुनावी प्रक्रियाओं और कार्यप्रणालियों से संबंधित तमाम आशंकाओं को दूर करने को कहा।

याचिकाएं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स नाम की एन.जी.ओ. और अन्य की ओर से दायर की गई थीं। उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पीठ ने उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास से पूछा, "आप हमें पूरी प्रक्रिया बताएं कि, उम्मीदवारों के प्रतिनिधि कैसे शामिल होते हैं और छेड़छाड़ कैसे रोकी जाती है।"

शीर्ष अदालत ने कहा कि ई.वी.एम. और वीवीपैट की चुनावी प्रक्रिया और कार्यप्रणाली से संबंधित कोई भी आशंका नहीं रहनी चाहिए। पीठ ने कहा, "हम चाहते हैं कि या तो आपको या किसी अन्य अधिकारी को अदालत कक्ष के अंदर या बाहर के लोगों की सभी आशंकाओं को दूर करना चाहिए... यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि कुछ ऐसा किया जा रहा है, जिसकी अपेक्षा नहीं की जाती है।" शीर्ष अदालत के समक्ष चुनाव अधिकारी ने ई.वी.एम., इसकी नियंत्रण इकाई, मतपत्र इकाई और वीवीपैट की प्रक्रिया को समझाया। पीठ ने पूछा, अगर किसी मतदाता को यह (वीवीपैट) पर्ची थमा दी जाए कि उसने अपना वोट डाल दिया है तो इसमें क्या नुकसान है? इस पर चुनाव अधिकारी ने कहा कि इससे वोटों की गोपनीयता प्रभावित होने के साथ ही जानबूझकर शरारत की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

# केरल में इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की टैस्टिंग में...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

भी इन्हीं त्रुटिपूर्ण चार वी.वी.पी.ए.टी. यूनिट्स ने भाजपा को एक वोट दिया। उन्नीथान के चुनाव एजेन्ट ने बताया कि जब हमने यह मुद्दा सहायक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उठाया तो उन्होंने कहा कि त्रटिपूर्ण वोटों वाली वी.वी.पी.ए.टी. स्लिप्स में मैसेज था "नॉट टू बी काउन्टेड" यानी कि गणना ना की जाए। नासर ने बताया कि "मतों की गिनती के दौरान कोई विवाद हो जाता था तो भाजपा के एजेन्ट इन त्रुटिपूर्ण वोटों की गणना करने पर जोर देंगे। हमने इसीलिए इन मशीनों को बदलने की मांग की है।"

उन्होंने बताया कि जब ई.वी.एम्स. की तीसरी बार जाँच की गई तब त्रुटियाँ स्वतः ही गायब हो गईं लेकिन हम इसे लेकर सुनिश्चित नहीं हो सकते कि चौथी या पांचवीं जाँच में त्रुटियाँ सामने नहीं आएंगी।" नासर ने कहा कि "हमने जो देखा वह अजीब था, क्योंकि माकपा के हथौड़ा हँसिया एवं तारा चुनाव चिन्ह और कांग्रेस के "हाथ" को मॉक परीक्षण के दौरान अतिरिक्त वोट नहीं मिले। रिपोर्ट जिला कलैक्टर को प्रस्तुत कर दी गई।

इस विषय पर सहायक पीठासीन अधिकारी बिनुमोन पी. ने कहा कि चार मशीनों में गड़बड़ी उस समय हुई थी जब बिजली चालू की गई थी। सभी मशीनों की प्रथम वी.वी.पी.ए.टी. स्लिप में यह संदेश लिखा था कि "इसे नहीं गिना जाएगा।" परन्तु इन चारों मशीनों की स्लिपों में भी प्रथम उम्मीदवार का पार्टी प्रतीक चिह्न ही वोटिंग मशीन में अंकित था। बिनुमोन ने यह भी कहा कि, "तकनीकी इंजीनियरों ने इस मामले में कहा कि यह गलती नहीं थी। मैंने इससे संबंधित रिपोर्ट कलैक्टर को दे दी है।"

यू.डी.एफ. एवं एल.डी.एफ. के एजेन्टों ने इस मामले में कहा कि तीसरी बार के मशीन परीक्षण में कमल का निशान दिखना बंद हो गया था। उसके अगले चरण में मशीन पर 1000 वोट डाले गये थे उसके प्रथम दो चरणों में त्रुटियाँ दिखाई दी। नासर चेरकालम ने कहा कि "तीसरे चरण में उन मशीनों ने बढ़िया काम किया था।"

कासरगोड विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनावों के लिए 190 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। सभी 228 बैल्ट यूनिट्स 228 कंट्रोल यूनिटों एवं 247 वी.वी.पी.ए.टी. यूनिटों का परीक्षण मॉक पोलिंग अभ्यास के दौरान किया गया था जिसकी शुरुआत बुधवार को सुबह 10 बजे की गई थी और इसका समापन गुरुवार को रात्रि में 1 बजे हुआ। 228 मशीनों में से 6 मशीनों में तकनीकी गड़बड़ियां थी। इंजीनियर्स द्वारा जाँच के लिए, उन्हें एक तरफ साइड में रख दिया गया है।

इस मॉक ड्रिल ने राजनीतिक पार्टियों को चौकन्ना कर दिया है और आशा की जाती है कि इस मामले को सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाया जाएगा क्योंकि पहले ही 100 प्रतिशत वी.वी.पी.ए.टी. की गणना से संबंधित केस की सुनवाई कर रहा है।

## कर्नाटक में...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

चुनावी विश्लेषकों ने गार्डन सिटी बैंगलुरू के साथ ही पानी की किल्लत को ध्यान में रखकर यह विश्लेषण किया है और क्या ज़मीनी हकीकत यह संकेत दे रही है कि चुनाव के लिए कठिन परिश्रम कर चुकी कांग्रेस आनुपातिक रूप से हार रही है। कर्नाटक में मतदान के दो चरण होंगे। पहले चरण में 14 लोकसभा सीटों के लिए 26 अप्रेल को मतदान है। बैंगलुरू दक्षिण में भाजपा के स्टार सांसद तेजस्वी सूर्या को कांग्रेस एक बड़ी चुनौती देने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन पानी की किल्लत का अकेला मुद्दा ही कांग्रेस के प्रत्याशी सौम्या रेड्डी की संभावनाओं को खत्म कर सकता है। कर्नाटक में प्रकृति ही आँख-मिचौली का खेल खेल रही है। यहाँ के कुल 236 तालुकों में से 223 सूखा ग्रस्त हैं।

ROSHAN MOTORS : RAJA PARK : 9619087477, AJMER ROAD : 7506023244, BAGRU : 7506023244, CHAKSU : 9619087477. AKAR FOUR WHEELS : VAISHALI NAGAR : 7506023152, DAUSA : 7506023152. BANDIKUI : 7506023152, LALSOT : 7506023152. AUTOPLEX AV : SITABARI, TONK ROAD : 7506023155, BASSI : 7506023155, DUDU : 7506023155, MALPURA : 7506023155, RENWAL : 7506023155. PRATAP NEXGEN : GOPALPURA, TONK ROAD : 9167104018, KALWAR : 9251997742, JOBNER : 9251997741. TECHWHEELS : JAGATPURA : 7506023175, MANSAROVAR EXT. : 7045288538, SHAHPURA : 7506023175, TONK : 7506023175, PAOTA : 7506023175, NIWAI : 7506023175. SHREE SHYAM MOTORS : SIKAR ROAD : 7506023263, CHOMU: 7506023263, KOTPUTLI : 7506023263. AUTOPRIME TATA : PRATAP NAGAR, JODHPUR : 7506023278, BHAGAT KI KOTHI : 7506023278, BALOTRA : 7506023278, PALI : 7506023278, JALORE : 7506023278, BARMER : 7506023278, CHAMBAL MOTORS : KOTA : 7506023291, JHALAWAR : 7506023291, BARAN : 7506023291, BUNDI : 7506023291, BHAWANI MANDI : 7506023291, KHANPUR : 7506023291, ITAWA : 7506023291, CHAMBAL MOTOCORP LLP : UDAIPUR : 7506023432, DUNGARPUR : 9167049848, BANSWARA : 7506023432, SAGWARA : 7506023432, BRIJWHEEL AUTOMOBILES (P) LTD. : BHARATPUR : 9619304832, HINDAUN : 9619304832, DHOLPUR : 9619304832, KARAULI : 9619304832, DEEG : 9619304832, NAGAR : 9619304832, CLASSIC MOTORS : ALWAR : 7506023041, BHIWADI : 7506023041, BEHROR : 7506023041, RAJGARH : 7506023041, THANAGHAJI : 7506023041, KHAIRTHAL : 7506023041, NEEMRANA : 7506023041 DAKSH AUTOMOTIVES PVT. LTD. : NAGAUR : 7506023356, DIDWANA : 9167049809, KUCHAMAN: 7412056814, DUNAC AUTOMOBILES : Nr. DUDI PETROL PUMP, NH-15, BIKANER : 7506023077, Nr. HALDIRAM PYAU, JAIPUR ROAD, BIKANER : 7506023077, NOKHA : 7506023077, 3 ML HANUMANGARH BYEPASS ROAD, NH 62, SRI GANGANAGAR : 7506023393, HANUMANGARH : 7506023393, ANUPGARH : 7506023393, SURATGARH : 7506023393, NOHAR : 7506023393, KAMAL PASSENGER VEHICLES (P) LTD. : AERODROME CIRCLE, KOTA : 7045156412, RAMGANJ MANDI, GANGAPUR CITY, ANTAH, RAWATBHATA : 7045156412, SAWAIMADHOPUR : 7045190667 GANGAPUR : 9619305352, MARUDHARA MOTORS : JODHPUR : 7506023285, MUDGAL MOTORS : AJMER : 7506023019, KISHANGARH : 7506023019, BEAWAR : 7506023019, BIJAY NAGAR : 7506023019, KEKRI : 7506023019, SHRI CHARBHUJA AUTOMOBILES : MERTA CITY : 7506023295, DEGANA : 7506023295, SHRI KRISHNA FOUR WHEELS : JAIPUR ROAD, SIKAR : 7506023385, JAIPUR ROAD CHURU: 7506023385, NEAR RTO JAIPUR ROAD, JHUNJHUNU: 7506023385, SURAJGARH BYEPASS ROAD, CHIRAWA: 7506023385, NEEM KA THANA : 7506023385, SRI MADHOPUR : 7506023385, SUJANGARH : 7506023385, RAJGARH : 7506023385, RATANGARH : 7506023385, SP AUTOMOTIVE : UDAIPUR : MADRI : 8291328070, SECTOR-11 : 9619145960, ABU ROAD : 8291328070, YASH MOTORS : BHILWARA : 7506023055, CHITTAURGARH : 7506023055, RAJSAMAND : 7506023055, PRATAPGARH : 7506023055, DEOLI : 7506023055.


राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600